भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2103

जिसका उत्तर 12 मार्च, 2020 को दिया जाना है।

22 फाल्गुन, 1941 (शक)

तेलंगाना में 'आधार' के डेटा की चोरी के संबंध में यूआईडीएआई मामला

2103. डा. के. वी. पी. रामचन्द्र राव :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) लोगों के लिए 'आधार' डेटा को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पर्याप्त पूर्वोपाय करने में असफल रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो यूआईडीएआई के संज्ञान में यह बात कैसे आई कि कुछ निजी कंपनियों के पास आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोगों के 'आधार' डेटा हैं, जिसके कारण मामला दर्ज किया जा रहा है;

(ग) क्या कोई आंतरिक जांच करवाई गई थी और क्या इसमें इस घटना के लिए जिम्मेदार किन्हीं अधिकारियों की पहचान की गई है, यदि हां, तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है; और

(घ) भविष्य में ऐसे उल्लंघन को प्रतिबंधित करने के लिए यूआईडीएआई ने क्या सावधानियां बरतना शुरू किया है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री संजय धोत्रे)

(क): जी, नहीं। यह कोई तथ्य नहीं हैं। यूआईडीएआई की डेटा संरक्षण प्रणाली मजबूत और अत्यधिक सुरक्षित है। यूआईडीएआई की अच्छी प्रकार से डिजाइन की गई बहुपरतीय सुदृढ़ सुरक्षा प्रणाली है तथा इसका सतत रूप से दर्जा बढ़ाया जा रहा है ताकि डेटा सुरक्षा और निष्ठा के उच्चतम स्तर को कायम रखा जा सके। यूआईडीएआई केडेटाबेस (सीआईडीआर) से डेटा चोरी की कोई घटना नहीं हुई है।

(ख): फील्ड इनपुट के आधार पर, यूआईडीएआई द्वारा एक शिकायत दर्ज की गई थी और यह 12.04.2019 को एफआईआर संख्या 278/2019 के जरिए माधवपुर गुटाला पीएस, हैदराबाद में मैसर्स आईटी ग्रिड इंडिया प्रा. लिमिटेड प्रबंधन और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई।

(ग): यूआईडीएआई द्वारा कोई इन हाउस जांच नहीं की गई। इस मामले की जांच तेलगांना सरकार के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के विशेष जांच दल द्वारा की जा रही है।

(घ): अभी तक यूआईडीएआई डेटाबेस (सीआईडीआर) से कोई डेटा उल्लंघन/डेटा चोरी नहीं हुई है। यूआईडीएआई की अच्छी प्रकार से डिजाइन की गई बहुपरतीय सुदृढ़ सुरक्षा प्रणाली है तथा इसका सतत रूप से दर्जा बढ़ाया जा रहा है ताकि डेटा सुरक्षा और निष्ठा के उच्चतम स्तर को कायम रखा जा सके।

*****